



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 154]
No. 154]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 1, 2003/चैत्र 11, 1925
NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 1, 2003/CHAITRA 11, 1925

वित्त और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 2003

सा.का.नि. 275(अ).—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 81 की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) के खण्ड (क) और खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पब्लिक कम्पनी (डिबेंचरों के निर्गमन और उधार लेने संबंधी निबंधन तथा साथ ही ऐसे डिबेंचरों या उधारों को शेयरों में परिवर्तित करने का विकल्प) नियम, 1977 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है; अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पब्लिक कम्पनी (डिबेंचरों के निर्गमन और उधार लेने संबंधी निबंधन तथा साथ ही ऐसे डिबेंचरों या उधारों को शेयरों में परिवर्तित करने का विकल्प) संशोधन नियम, 2003 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पब्लिक कम्पनी (डिबेंचरों के निर्गमन और उधार लेने संबंधी निबंधन तथा साथ ही ऐसे डिबेंचरों या उधारों को शेयरों में परिवर्तित करने का विकल्प) नियम, 1977 में,—

(i) नियम 2 में, उपनियम (ख) के पश्चात्, निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा; अर्थात् :—

(ग) “अनुसूचित बैंक” से ऐसा बैंक अभिप्रेत है जो भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की दूसरी अनुसूची में सम्मिलित है किन्तु जिसमें सहकारी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और विदेशी बैंक सम्मिलित नहीं हैं;

(ii) नियम 3 के, उपनियम (ख) में “पब्लिक वित्तीय संस्था”, शब्दों के पश्चात् “या कोई अनुसूचित बैंक” शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे;

(iii) नियम 3 के उपनियम (घ) में, “वित्तीय संस्थाएं” शब्दों के स्थान पर, “यथास्थिति, वित्तीय संस्थाएं या अनुसूचित बैंक” शब्द रखे जाएंगे।

(iv) नियम 3 के अन्त में, निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु कोई पब्लिक वित्तीय संस्था या कोई अनुसूचित बैंक ऐसे सभी डिबेंचरों या उधारों को या उनके किसी भाग को तब तक परिवर्तित नहीं करेगा जब तक कि,—

- (क) उस कम्पनी ने, जिसने डिबेंचर निर्गमित किए हैं या उधार लिया है, ऐसे उधारों या डिबेंचरों के संदाय में व्यतिक्रम नहीं किया है; और
- (ख) ऐसे अनुसूचित बैंक या पब्लिक वित्तीय संस्था ने ऐसे उधारों या डिबेंचरों को परिवर्तित करने के अपने आशय की सूचना परिवर्तन की आशयित तारीख से कम से कम 30 दिन पूर्व कम्पनी को नहीं दे दी है।”

[एफ. सं. 1/9/2002-सी एल-5]

राजीव महर्षि, संयुक्त सचिव

टिप्पणी: मूल अधिसूचना सा.का.नि. 602 तारीख 2-5-1977 द्वारा जारी की गई थी और तत्पश्चात् उसमें निम्नलिखित द्वारा संशोधन किए गए—

1. सा.का.नि. 623 तारीख 8-5-1978 ।
2. सा.का.नि. 1489 तारीख 25-11-1978 ।

MINISTRY OF FINANCE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st April, 2003

G.S.R. 275(E).—In exercise of the powers conferred by clauses (a) and (b) of Sub-section (1) of Section 642 read with Sub-section (3) of Section 81 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Public Companies (Terms of Issue of Debentures and Raising of Loans with Option to Convert such Debentures or Loans into Shares) Rules, 1977, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These Rules may be called the Public Companies (Terms of Issue of Debentures and Raising of Loans with Option to Convert such Debentures or Loans into Shares) Amendment Rules, 2003.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Public Companies (Terms of Issue of Debentures and Raising of Loans with Option to Convert such Debentures or Loans into Shares) Rules, 1977,—

(i) in rules 2 after sub-rule (b), the following shall be inserted, namely:—

(c) “scheduled bank” means a bank included in the Second Schedule to the Reserve Bank of India Act, 1934, but does not include co-operative banks, regional rural banks and foreign banks;

(ii) in rule 3, in sub-rule (b), after the words “a public financial institution”, the words “or a scheduled bank”, shall be inserted;

(iii) in rule 3, in sub-rule (d), after the words “financial institutions”, the words “or scheduled banks, as the case may be”, shall be inserted;

(iv) in rule 3, at the end, the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that a public financial institution or a scheduled bank shall not convert all or any part of such debentures or loans unless,—

(a) the company that has issued the debentures or raised the loan has defaulted in the repayment/redemption of, or payment of interest on, such loans or debentures; and

(b) such scheduled bank or public financial institution has given the company notice of its intention to convert such loans or debentures at least 30 days prior to the intended date of conversion.”

[F.No. 1/9/2002-CL. V]

RAJIV MEHRISHI, Jt. Secy.

Foot Note : The Principal Rules were published vide notification G.S.R. 602 dated 2-5-1977 and subsequently amended by :—

1. G.S.R. 623 dated 8-5-1978.
2. G.S.R. 1489 dated 25-11-1978.